

Deraillment of Goods Train on N.E.F. Railway

1379. Shri Vishwa Nath Pandey: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the UP through goods train derailed on the Silliguri-Alipurduar section of the North East Frontier Railway between Binnaguri and Dalgaon Stations on the 24th March, 1967;

(b) if so, the causes of the derailment; and

(c) the total loss of the Railway property thereby?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) Yes.

(b) The accident was caused due to a defect in the bearing spring buckle of an axle of one of the wagons.

(c) The cost of damage to railway property was estimated at approximately Rs. 60,076/-.

Steel Plant near Calcutta

1380. Shri Vishwa Nath Pandey: Will the Minister of Steel, Mines and Metals be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a British firm of Steel-makers propose to build a steel plant near Calcutta in collaboration with the Birla Group;

(b) if so, when; and

(c) the reaction of Government thereto?

The Minister of State in the Ministry of Steel, Mines and Metals (Shri P. C. Sethi): (a) to (c). There is no proposal by a British firm to build a steel plant near Calcutta. Presumably the Hon'ble Member has in his mind the Alloy Steel Plant. High Quality Steels Limited, a Birla concern, have been licensed to set up a plant near Calcutta for manufacture of alloy and special steels. They have entered into an agreement with a U.K. firm for supply of technical assistance and know-how. The U.K. firm will also invest in the equity capital of

High Quality Steels. Technical collaboration with the U.K. firm and investment in equity have been approved by Government. The Project is likely to go into production by 1970-71.

Deraillment of Military Special

1381. Shri Vishwa Nath Pandey: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some army men were seriously injured when a military special goods train derailed between Gurpa and Paharpur railway stations about 30 miles from Gaya on the 28th March, 1967;

(b) if so, the number of persons injured; and

(c) the causes of the accident?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) and (b). Four army personnel sustained minor injuries as a result of the derailment of Military Special Goods train near west Cabin of Gurpa station on Eastern Railway.

(c) The accident was caused due to breakage of elliptical spring retainer of right leading bogie of a vehicle (marshalled 7th from the brake van) on the train, coupled with shifting of motor vehicles which were loaded but not secured properly in the said vehicle causing uneven distribution of load on wheels.

दौरासा से हस्तिनापुर तक रेलवे लाइन

1382. श्री महाराज सिंह भारती : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ने उत्तर प्रदेश में मेरठ जिले के हस्तिनापुर क्षेत्र का विकास करने के उद्देश्य से दौरासा से हस्तिनापुर तक रेलवे लाइन बिछाने की योजना बनाई थी और दौरासा पीपी विद्युत से दीक्षाता से

मबाना तक की अपनी झंकरी रेलवे लाइन सरकार को निशुल्क दे दी थी ;

(ख) क्या यह सच है कि किसानों ने चकबन्दी के दौरान मबाना से हस्तिनापुर तक की रेलवे लाइन के लिये भूमि छोड़ दी थी, जो अभी भी खाली पड़ी है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि भारत-पाकिस्तान संबंध के कारण इस रेलवे लाइन का निर्माण कार्य बन्द कर दिया गया था ; और

(घ) यदि हां, तो यह रेलवे लाइन कब तक बन जाने की संभावना है।

रेलवे मंत्री (जी से० मु० पुनाचा) :

(क) जहां तक प्रश्न के पहले भाग का सम्बन्ध है, यह बता दिया जाय कि प्रस्तावित लाइन का सर्वेक्षण करके इस योजना की जांच की गयी थी। जहां तक दूसरे भाग का सम्बन्ध है, यह भी उल्लेखनीय है कि यह पता चला था कि इस छोटी लाइन (दोरासा-मबाना ट्रामवे) के प्रबन्धक मबाना के रास्ते दोराला से हस्तिनापुर तक प्रस्तावित बड़ी लाइन के निर्माण के लिए इस ट्रामवे की जमीन रेलों को देने को तैयार थे लेकिन तकनीकी और अन्य कठिनाइयों के कारण छोटी लाइन के मार्ग निर्धारण पर बड़ी लाइन विधाना व्यावहारिक नहीं पाया गया। इसलिए रेलवे ने एक अलग मार्ग का सर्वेक्षण किया और इस तरह ट्रामवे की जमीन लेने का प्रश्न नहीं उठा।

(ख) इस संघातय को इस बात की जानकारी नहीं है।

(ग) जी नहीं। इस परियोजना का अनुमोदन नहीं किया गया क्योंकि खास तौर पर इस क्षेत्र में सुविकसित सड़कों को देखते हुए यह अलापप्रद थी।

(घ) सचाम नहीं उठता।

मेरठ सिटी जंबखन पर भारी इंजन

1383. जी महाराज सिंह भारती :
क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मेरठ सिटी जंबखन पर भारी इंजनों की दिशा में मोड़ने की व्यवस्था अभी तक नहीं की गई है ;

(ख) क्या मेरठ और दिल्ली के बीच शटल गाड़ियां चलाने की व्यवस्था अभी तक ऐसी है कि इंजन की दिशा नहीं बदली जाती ; और

(ग) क्या यह सच है कि ऐसी व्यवस्था के लिए आवश्यक सारा सामान पिछले कुछ महीनों से वहां पर पड़ा है परन्तु अभी तक उसे लगाया नहीं गया है ?

रेलवे मंत्री (जी से० मु० पुनाचा) :

(क) जी हां।

(ख) जी नहीं। इंजनों का कार्यक्रम इस तरह बनाया गया है ताकि कोई भी मबारी गाड़ी इंजन का टेंडर धागे करके न चलायी जाये।

(ग) जी नहीं। घूम चक्कर लगाने के लिए अभी तक सामान का केवल कुछ हिस्सा ही प्राप्त हुआ है।

वैश्वेकर कारों का निर्माण

1384. जी राम किशन मुस्त :

जी हुकूम खन्ड काठवाल :

क्या औद्योगिक विकास तथा सचवाच-कार्य मंत्री 7 जनवरी, 1967 के सत्तारहित प्रश्न संख्या 761 के उत्तर में सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वैश्वेकर कारों के निर्माण के प्रस्ताव को इस बीच अस्थिर रूप दे दिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका स्वीरा क्या है ; और